Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Celebration of 132nd Baba Saheb Dr. B.R. Ambedkar's Jayanti

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 14-04-2023**

समाज के विकास में डॉ. अम्बेडकर का योगदान महत्त्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेवि में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डॉ. बीआर अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने किसी भी देश के विकास हेतु उसमें उपस्थित सवैंधानिक व्यवस्था को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण के संदर्भ में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की भूमिका सर्वविदित है। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित म्हस्कर व डॉ. जादूमणि महानंद उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय स्थित डॉ. बीआर अम्बेडकर की प्रतिमा पर कुलपति द्वारा पुष्प अर्पित कर शुरू हुए कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट करने में डॉ. अम्बेडकर ने एक सूत्रधार की भूमिका निभाई। वे समाज व देश से जुड़े विभिन्न विषयों में सक्रिय रहे और उनका योगदान महत्त्वपूर्ण रूप से जनमानस के लिए उपयोगी बना हुआ है। कुलपति ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर बहुविकल्पीय व्यवस्था के उत्तम उदाहरण हैं। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। न सिर्फ राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डॉ. अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता देखने को मिलती है। ग्लोबल रिलेवेन्स ऑफ डॉ. बी.आर.

डॉ. बीआर अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित विशेषज्ञ के पश्चात उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

अम्बेडकर विषय पर केंद्रित व्याख्यान में स्वागत भाषण प्रो. अंतरेश कुमार ने दिया। इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुमित म्हस्कर ने सामाजिक समानता के स्तर पर डॉ. अम्बेडकर द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। डॉ. अम्बेडकर व उनके द्वारा प्रस्तुत विचारों के महत्त्व को भी प्रतिभागियों के समक्ष रखा। इसी क्रम में अन्य विशेष वक्ता डॉ. जादूमणि ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर से जुड़े विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और समाज सुधार, राजनीति, संवैधानिक बदलाव आदि के स्तर पर उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न धारणाओं का उल्लेख करते हुए उनकी उपयोगिता से अवगत कराया। कार्यक्रम के आयोजन में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. शाहजहां, श्री राकेश मीणा, डॉ. मुलाका मारूति आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर 11 अप्रैल से आयोजित पेंटिंग व वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति द्वारा सम्मानित भी किया गया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14-04-2023**

भारत के निर्माण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित व डॉ. जादूमणि महानंद उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. शाहजहां, राकेश मीणा, डॉ. मुलाका मारूति आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. टी. लोंग्कोई ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-04-2023**

'समाज के विकास में डा.आंबेडकर का योगदान महत्वपूर्ण'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डा. बीआर आंबेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डा. बीआर आंबेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने किसी भी देश के विकास के लिए उसमें उपस्थित सवैंधानिक व्यवस्था को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण के संदर्भ में डा.बीआर आंबेडकर की भूमिका सर्वविदित हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित म्हस्कर व डा. जादूमणि महानंद उपस्थित रहे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि देश को एकजुट करने में डा. आंबेडकर ने एक सूत्रधार की भूमिका निभाई। वे समाज व देश से जुड़े विभिन्न विषयों में सक्रिय रहे और उनका योगदान महत्त्वपूर्ण रूप से जनमानस के लिए उपयोगी बना हुआ है।

डा. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते प्रो. टंकेश्वर कुमार● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

कुलपति ने कहा कि डा. आंबेडकर बहुविकल्पीय व्यवस्था के उत्तम उदाहरण हैं। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। न सिर्फ राष्ट्रीय, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डा. आंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता देखने को मिलती है। ग्लोबल रिलेवेन्स आफ डा. बीआर आंबेडकर विषय पर केंद्रित व्याख्यान में स्वागत भाषण प्रो. अंतरेश कुमार ने दिया। इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुमित म्हस्कर ने सामाजिक समानता के स्तर पर डा. आंबेडकर द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। इसी क्रम में अन्य विशेष वक्ता डा. जादूमणि ने डा. बीआर आंबेडकर से जुड़े विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और समाज सुधार, राजनीति, संवैधानिक बदलाव आदि के स्तर पर उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न धारणाओं का उल्लेख करते हुए उनकी उपयोगिता से अवगत कराया। कार्यक्रम के आयोजन में डा. शाहजहां, राकेश मीणा, डा. मुलाका मारूति आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर 11 अप्रैल से आयोजित पेंटिंग व वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ की सदस्य डा. टी. लोंग्कोई ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-04-2023**

हकेंवि में आंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डा. बीआर आंबेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने किसी भी देश के विकास हेतु उसमें उपस्थित सवैंधानिक व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण के संदर्भ में डा. बीआर आंबेडकर की भूमिका सर्वविदित है। इस अवसर पर 11 अप्रैल से आयोजित पेंटिंग व वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति द्वारा सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर प्रकोष्ठ की

महेंद्रगढ़। आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते कुलपति। फोटो: हरिभूमि

सदस्य डॉ. टी. लोंग्कोई, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित म्हस्कर व डॉ. जादूमणि महानंद, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. जादूमणि, डॉ. शाहजहां, राकेश मीणा, डॉ. मुलाका मारूति आदि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Human India **Date: 14-04-2023**

समाज के विकास में डॉ. अम्बेडकर का योगदान महत्त्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर कुमार

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने किसी भी देश के विकास हेतु उसमें उपस्थित सवैंधानिक व्यवस्था को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण के संदर्भ में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की भूमिका सर्वविदित है। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित म्हस्कर व डॉ. जादूमणि महानंद उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय स्थित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा पर कुलपति द्वारा पुष्प अर्पित कर शुरु हुए कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट करने में डॉ. अम्बेडकर ने एक सूत्रधार की भूमिका निभाई। वे समाज व देश से जुड़े विभिन्न विषयों में सक्रिय रहे और उनका योगदान महत्त्वपूर्ण रूप से जनमानस के लिए उपयोगी बना हुआ है। कुलपति ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर बहुविकल्पीय व्यवस्था के उत्तम उदाहरण हैं। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। न सिर्फ राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डॉ. अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता देखने को मिलती है। ग्लोबल रिलेवेन्स ऑफ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विषय पर केंद्रित व्याख्यान में स्वागत भाषण प्रो. अंतरेश कुमार ने दिया। इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुमित म्हस्कर ने सामाजिक समानता के स्तर पर डॉ. अम्बेडकर द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की नहीं समूचे विश्व स्तर पर डॉ. अम्बेडकर व उनके द्वारा प्रस्तुत विचारों के महत्त्व को भी प्रतिभागियों के समक्ष रखा। इसी क्रम में अन्य विशेष वक्ता डॉ. जादूमणि ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर से जुड़े विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और समाज सुधार, राजनीति, संवैधानिक बदलाव आदि के स्तर पर उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न धारणाओं का उल्लेख करते हुए उनकी उपयोगिता से अवगत कराया।

कार्यक्रम के आयोजन में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. शाहजहां, राकेश मीणा, डॉ. मुलाका मारूति आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर 11 अप्रैल से आयोजित पेंटिंग व वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. टी. लोंग्कोई ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-04-2023**

समाज के विकास में डॉ. अम्बेडकर का योगदान महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर

हकेवि में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 13 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय है।

उन्होंने किसी भी देश के विकास हेतु उसमें उपस्थित संवैधानिक व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण के संदर्भ में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की भूमिका सर्वविदित है।

इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित व डॉ. जादूमणि महानंद उपस्थित रहे।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

विश्वविद्यालय स्थित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा पर कुलपति द्वारा पुष्प अर्पित कर शुरू हुए कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट करने में डॉ. अम्बेडकर ने एक सूत्रधार की भूमिका निभाई। वे समाज व देश से जुड़े विभिन्न विषयों में सक्रिय रहे और उनका योगदान महत्वपूर्ण रूप से जनमानस के लिए उपयोगी बना हुआ है।

कुलपति ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर बहुविकल्पीय व्यवस्था के उत्तम उदाहरण हैं। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है, न सिर्फ राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डॉ. अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता देखने को मिलती है। ग्लोबल रिलेवेन्स ऑफ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विषय पर केंद्रित व्याख्यान में स्वागत भाषण प्रो. अंतरेश कुमार ने दिया।

बाबा साहेब की समाज सुधार, राजनीति, संवैधानिक बदलाव की धारणाओं का किया उल्लेख

इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुमित ने सामाजिक समानता के स्तर पर डॉ. अम्बेडकर द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की नहीं समूचे विश्व स्तर पर डॉ. अम्बेडकर व उनके द्वारा प्रस्तुत विचारों के महत्व को भी प्रतिभागियों के समक्ष रखा।

इसी क्रम में अन्य विशेष वक्ता डॉ. जादूमणि ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर से जुड़े विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और समाज सुधार, राजनीति, संवैधानिक बदलाव आदि के स्तर पर उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न धारणाओं का उल्लेख करते हुए उनकी उपयोगिता से अवगत कराया।

कार्यक्रम के आयोजन में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. शाहजहां, राकेश मीणा, डॉ. मुलाका मारूति आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर 11 अप्रैल से आयोजित पेंटिंग व वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. टी. लोंग्कोई ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।